हिंदी

(वसंत) (अध्याय - 11) (मैं सबसे छोटी होऊँ)
(कक्षा - 6)

प्रश्न अभ्यास

प्रश्न 1:
कविता में सबसे छोटे होने की कल्पना क्यों की गई है?

उत्तर 1:
अक्सर देखा गया है कि घर के सबसे छोटे सदस्य को घर में सबसे ज्यादा प्यार और दुलार मिलता है तथा माँ तो सदा ही उसके साथ रहती है। इसीलिए बच्ची की भी यही इच्छा है कि वह घर में सबसे छोटी बनी रहे।

प्रश्न 2:
कविता में 'ऐसी बड़ी न होउँ मैं' क्यों कहा गया है? क्या तुम भी हमेशा छोट बने रहना पसंद करोगे?

उत्तर 2:
जैसे -जैसे बच्चे बड़े होते जाते हैं वे अपनी माँ से दूर होते चले जाते हैं। इसीलिए बालिका कहती है कि ऐसी भी बड़ी न हो जाऊं कि अपनी माँ से ही दूर हो जाऊं।

प्रश्न 3:
आशय स्पष्ट करो -
हाथ पकड़ फिर सदा हमारे
साथ नहीं फिरती दिन-रात!

उत्तर 3:
इसका आशय है कि बच्चे जब बड़े हो जाते हैं तो माँ से भी दूरी बढ़ने लगती है। इसीलिए बालिका कहती है कि जब हम बड़े हो जाते हैं तो माँ हमारा हाथ पकड़े हुए सदा हमारे साथ नहीं घूमती है।

प्रश्न 4:
अपने छुटपन में बच्चे अपनी माँ के बहुत करीब होते हैं। इस कविता में नजदीकी की कौन-कौन सी स्थितियाँ बताई गई हैं?

उत्तर 4:
इस कविता में नजदीकी की बहुत सी स्थितियाँ बताई गई हैं जैसे - गोदी में सोना, आँचल पकड़कर घूमना, माँ से नहाना, परियों की कहानी सुनना आदि ऐसे पल हैं जिस समय बच्चा अपनी माँ के बहुत नजदीक होता है।

कविता से आगे

प्रश्न 1:
तुम्हारी माँ तुम लोगों के लिए क्या-क्या काम करती है?

उत्तर 1:
हमारी माँ हम लोगों के लिए बहुत से काम करती है। जैसे हमारे लिए खाना बनाना, हमारे कपड़े धोना, स्कूल के लिए तैयार करना, हमारे साथ खेलना आदि।

प्रश्न 2:
यह क्यों कहा गया है कि बड़ा बनाकर माँ बच्चे को छलती है?

उत्तर 2:
यह इसलिए कहा गया है क्योंकि जब बच्चे बड़े हो जाते हैं तब वे अपना काम खुद करने लगते हैं। तब ऐसा लगता है कि माँ ने हमारे साथ छल किया है।

प्रश्न 3:
उन क्रियाओं को गिनाओ जो इस कविता में माँ अपनी छोटी बच्ची या बच्चे के लिए करती है।

उत्तर 3:
माँ अपने छोटे बच्चे को नहलाती है, उसके बाल बनाती है, उसको साफ-सुथरे कपड़े पहनाती है, उसको दूध पिलाती है, उसके साथ खेलती है, उसको नई-नई चीजें बनाकर खिलाती है आदि।

अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1.
इस कविता के अंत में कवि माँ से चंद्रोदय दिखा देने की बात क्यों कर रहा है? चाँद के उदित होने की कल्पना करो और अपनी कक्षा में बताओ।

उत्तर-
बच्चों को चाँद को उदित होते देखना अत्यंत रोचक लगता है। वे अकसर माता-पिता से चाँद को देखने या उसे हाथ में लेने की जिद करते हैं इसलिए कविता में कवि ने चंद्रोदय दिखाने की बात कही है? चंद्रोदय का दृश्य अत्यंत सुहाना लगता है। चाँदनी रात बहुत ही शीतल लगती है जो आँखों और हृदय को ठंडक पहुँचाती है।

प्रश्न 2.
इस कविता को पढ़ने के बाद एक बच्ची और उसकी माँ का चित्र तुम्हारे मन में उभरता है। वह बच्ची और क्या-क्या कहती होगी? क्या-क्या करती होगी? कल्पना करके एक कहानी बनाओ।

उत्तर-
वह बच्ची दिन भर माँ के साथ उसके आगे-पीछे घूमती होगी। वह माँ के साथ रसोई में, बैठक में, शयनागार में और छत पर जाती होगी। वह एक मिनट भी चुप नहीं रहती होगी। कई तरह के सवाल उसे माँ से पूछने होते हैं। माँ तुम क्या कर रही हो? माँ तुम क्या बना रही हो? माँ ये क्या है? माँ यह कैसे होता है? रसोई में जाकर वह माँ से जिद करती होगी कि वह भी रोटी बेलेगी। बैठक में जाकर वह कहती होगी कि वही टी.वी. चलाएगी।

शयनागार में वह गंदे पैर बिस्तर पर चढ़ जाती होगी और चादर समेट देती होगी। घर भर में उसके खिलौने बिखरे पड़े रहते होंगे। छत पर जाकर वह दूर कहीं पतंग उड़ते देख माँ से उसे लाने की जिद करती होगी। रात में वह तब तक नहीं सोती होगी जब तक माँ उसके पास लेट कर उसे परियों की कहानी न सुनाए। इस प्रकार वह सारा दिन माँ को अपने में ही उलझाए रखती होगी।

प्रश्न 3.
माँ अपना एक दिन कैसे गुज़ारती है? कुछ मौकों पर उसकी दिनचर्या बदल जाया करती है, जैसे- मेहमानों के आ जाने पर, घर में किसी के बीमार पड़ जाने पर या त्योहार के दिन। इन अवसरों पर माँ की दिनचर्या पर क्या फ़र्क
पड़ता है? सोचो और लिखो।

उत्तर-
माँ अपना एक दिन प्रातः काल उठकर रात्रि सोने तक घर के कामों को पूरा करने में गुजारती है।

वह प्रातः चाय बनाती है, फिर खाना बनाती है, बच्चों को तैयार कर स्कूल भेजती है। घर की सफ़ाई करती है तथा कपड़े धोती है। फिर शाम का खाना बनाती है। कुछ विशेष मौकों पर मेहमानों के आ जाने पर उसके लिए विशेष भोजन तैयार करना पड़ता है। मेहमान के विश्राम का भी प्रबंध करना पड़ता है।

इसी प्रकार किसी के बीमार होने पर भी पहली प्राथमिकता उस बीमार सदस्य की देखरेख पर ध्यान देती है। त्योहार के दिनों में भी त्योहार की तैयारी पूरी निष्ठा से करती है। पूजा व विशेष भोजन का भी प्रबंध करना पड़ता है। इस तरह विशेष अवसरों पर माँ की दिनचर्या में परिवर्तन आ जाता है।

भाषा की बात

प्रश्न 1.
नीचे दिए गए शब्दों में अंतर बताओ, उनमें क्या फ़र्क है?

- स्नेह – प्रेम
- ग्रह – गृह
- शांति – सन्नाटा
- निधन – निर्धन
- धूल – राखे
- समान – सामान

उत्तर-

- **स्नेह (छोटे के लिए प्रेम)-** माँ अपने बच्चे से स्नेह करती है।
- **प्रेम (छोटे, बड़े सभी के लिए)-** राम और लक्ष्मण का प्रेम एक मिसाल है।
- **शांति (हलचल न होना)-** नेहा, घर में आज इतनी शांति क्यों है?
- **सन्नाटा (वातावरण में चुप्पी होना)-** रात के वक्त गाँवों में सन्नाटा छा जाता है।
- **धूल (मिट्टी)-** चारों तरफ़ धूल से प्रदूषण फैल रहा है।
- **राख (लकड़ी या कोयले के जलने के बाद बचा पदार्थ)-** राख कोयले से बनती है।
- **ग्रह (नक्षत्र)-** वैज्ञानिकों ने सौर मंडल में आठ ग्रह बताए हैं।
- **गृह (घर)-** ओजस्व को गृह कार्य नहीं मिला।
- **निधन (मृत्यु)-** सेठ जी के निधन से गाँव में शोक की लहर दौड़ गई।
- **निर्धन (गरीब)-** हमारे देश में निर्धन व्यक्ति काफ़ी हैं।
- **समान (बराबर)-** हमारे देश में सभी लोगों को समान अधिकार मिला हुआ है।
- **सामान (वस्तु)-** घर में सामान बिखरा पड़ा है।

प्रश्न 2.
कविता में दिन-रात' शब्द आया है। दिन रात का विलोम है। तुम ऐसे चार शब्दों के जोड़े सोचकर लिखो, जो विलोम शब्दों से मिलकर बने हों। जोड़ों के अर्थ को समझने के लिए वाक्य भी बनाओ।

उत्तर-

- **आना-जाना-** आज त्योहार के दिन मेहमानों का आना-जाना लगा हुआ है।
- **छोटा-बड़ा-** हमें छोटे-बड़े सभी के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए।
- **जीवन-मरण-** जीवन-मरण ईश्वर के हाथ में है।
- **अपना-पराया-** यहाँ अपना-पराया कोई नहीं सब बराबर हैं।
- **लाभ-हानि-** व्यापार में लाभ-हानि लगा ही रहता है।
- **भला-बुरा-** हमें भला-बुरा देखकर ही कार्य करना चाहिए।

कुछ करने को

कक्षा में बच्चों को उनकी मरज़ी से दो समूहों में रखें-

(क) एक समूह में वे जो छोटे बने रहना चाहते हैं।

(ख) दूसरे समूह में वे जो बड़े होना चाहते हैं।

इन दोनों समूह के सभी बच्चे एक-एक कर बताएँगे कि वे क्यों छोटा बने रहना चाहते हैं या क्यों बड़ा होना चाहते हैं।

उत्तर-

कक्षा में छात्र समूहों में बँट कर अपनी-अपनी इच्छा व्यक्त करें। जैसे

मोहन – मैं छोटा बना रहना चाहता हूँ क्योंकि माँ के साथ रहना मुझे अच्छा लगता है।

सोहन – मैं बड़ा होकर अपने माता-पिता की सेवा करना चाहता हूँ।